







## सम्पादकीय

स्पेशल सर्विसेज से  
आरक्षण खत्म होना चाहिए

सुप्रीम कोर्ट में नीट विवाद पर ग्रेस मार्क्स से जुड़ी व्याकिया पर मंगलवार को सुनवाई हुई थी। अदालत ने कहा, आप किसी की ओर से 0.001 फीसदी भी लापत्ताही हुई है तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। बच्चों ने परीक्षा की तैयारी की है, हम उनकी मेहनत को नहीं भूल सकते हैं। बच्चे ने सरकार और एनटीए से यह भी कहा कि कल्पना कीजिए कि सिस्टम के साथ धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति डॉक्टर बन जाता है, वह समाज के लिए और भी ज्यादा खतरनाक है। इससे वहले 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इसी तरह की टिप्पणी कर आँखें इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट की परीक्षा रद्द की थी। तब कोर्ट कहना था, एक भी फर्जी डॉक्टर बनता है तो पूरी परीक्षा रद्द होनी चाहिए। इस बात के सबूत हैं कि परीक्षा में इलेक्ट्रोनिक डिवाइसेज का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन कितने स्टॉफेंट्स ने इसका इस्तेमाल किया, ये नहीं सहन की सकता। ऐसे में परीक्षा रद्द करना जरूरी है। दरअसल, स्पेशल सर्विसेज में तो आरक्षण भी खत्म होना चाहिए। डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक जैसे पेशों में आरक्षण एक बुराई की तरह है। यदि आरक्षण से कम अंक बाला व्यक्ति डॉक्टर बन जाता है तो वो जनजीवन के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। नीति आरक्षण मानदंड के साथकारी नियमों के अनुसार केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और राज्य मेडिकल कालेजों में ऑफिसी के लिए 27 प्रतिशत सीटें, इंडियाएस के लिए 10, एससी के लिए 15 और एसटी के लिए 7.5 फीसदी आरक्षण बताया जाता है। इसमें इंडियाएस आरक्षण तो फिर भी लागू रखा जा सकता है क्योंकि ये जातिगत नहीं हैं। ये आर्थिक कमज़ोर कोई भी हो सकता है। मान नीतिएं कोई व्यक्ति आरक्षण का सहारा लेकर कम नव्हरों में कित्सक्स कब बन गया तो उसके इलाज के बाया गार्नी हो सकती है। ऐसा ही कुछ इंजीनियरिंग की सर्विसेज में होता है। इंजीनियर वह होता है जो देश के विकास में बड़ा भागीदार होता है। बड़ी-बड़ी परियोजनाएं उसके जिम्मे होती हैं। बड़े पुल, और विमानिक, अन्डरब्रिज, प्लाईओवर और बड़े-बड़े भवन उसके जिम्मे होते हैं। यानी भी आरक्षण के बलबल नुस्खों नौकरी के बाला व्यक्ति जनजीवन के लिए बड़ा हानिकारक साबित हो सकता है। इसी तरह का मामला वैज्ञानिकों से जुड़ा हुआ है। इन विशेष सर्विसेज में तो जो पढ़ाई में अच्छा है, उसी का नम्बर आना चाहिए, चाहे वह फिर किसी भी जाति का हो।

## योग मात्र व्यायाम नहीं, प्रकृति के साथ एकाकार हो जाने का भाव है

## मोहन मंगलम

योग एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। इसमें शरीर और आत्मा को एकरूप करने का प्रयास किया जाता है। मन को शब्दों से मुक्त करके अपने आपको शांति और रिकॉर्ट से ज्यादा करने की विधि है। योग समझने से ज्यादा करने की विधि है। योग साधनों के बल पर ही हमारे ऋषि-मुनियों एवं योग साधकों ने सूरीनी जीवन प्राप्त किया। अलग-अलग संभावयों, परंपराओं, दर्शनों, धर्मों एवं गुरु-शिष्य परंपराओं के चलते भिन्न-भिन्न सोचोंमें में योग का अलग-अलग वार्षा प्रशस्त हुआ।

प्राचीन शब्द का लाले ही व्यक्तियों का उद्घोष रहा है - 'शरीरमाद्य खलु धर्म साधन' यानी कर्म करने से लेकर जीवन में अनेक प्राप्त करने तक का एकमात्र साधन व्यस्था शरीर ही है। अनुरोध-विलोम प्राणायाम से जटिल से जटिल व्यक्तियों को दूर किया जा सकता है। क्वालाहाति तथा भूमिका उद्दाहितों से धर्मों में आप अवशेष दूर होते हैं। नियमित रूप से प्राणायाम किया जाए तो हव्य गति और वायु तंत्र की गति नियंत्रित होती है। अतः प्राणायाम ही आध्यात्मिक उत्तम एवं शरीर को निरोग रखने का सबसे सरल एवं सराहा साधन है।

प्रस्त्रविचर्त जीवन जीने की इच्छा हर किसी की होती है। योग, ध्यान, प्राणायाम, आसन, व्यायाम से लेकर न जाने किन्तु अनुसंधानात्मक प्रयोगों से प्राचीन भारतीय पंथ भरे दें हैं। तामाम वैदिक ग्रंथों का एक लक्ष्य भी होता है कि शारीरिक एवं मानसिक अविभक्ति कर्त्ता के संपर्क में योग का अध्यात्मिक उत्तम एवं शरीर को निरोग रखने का सबसे सरल एवं सराहा साधन है।

योग प्राचीनतम भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विद्या है। योग शब्द का उल्लेख सबसे पहले ऋग्वेद में मिलता है। योग के पुरातन साक्ष्य की ओर चलें तो सिंधु धारी सभ्यता (2700 ई. पू.) में अनेक आधृतियां एवं प्राप्तरूप धूर्व होती हैं। जिम्में योग करती हुई आकृतियां उत्कृष्णी थीं योग का अध्यात्म पूर्व वैदिक काल से किया जाता रहा। वैदिक एवं उपनिषद् परंपरा, वैष्णव संप्रदाय में भी योग का साक्ष्य मिलता है।

भारतीय दर्शन में 'योग' अति महत्वपूर्ण शब्द है। श्रीमद्भगवद्गीता में योग शब्द का कई बार प्रयोग हुआ है - 'बुद्धि योग, संन्यास योग, कर्म योग। श्रीमद्भगवद्गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने योग को विभिन्न अर्थों में प्रयुक्त करते हुए 'अनुकूल योग' होता है। योग सूत्र में प्राप्त के पांच मूल्य धूर्व होते हैं -'

भारतीय दर्शन में छह दर्शनों में से एक है योग। यह हमारे ऋषियों, महर्षियों और तत्त्वज्ञों को अनुभूत साधना का वैचारिक आदर्श है। योग विद्या भारतवर्ष की अमूल्य



लाकर हमारे अंदर जागरुकता पैदा करता है।

'योग' शब्द का उल्लेख सबसे पहले ऋग्वेद में मिलता है। उपनिषदों में भी इसका उल्लेख आया है। योग के पुरातन साक्ष्य की ओर चलें तो सिंधु धारी सभ्यता (2700 ई. पू.) में अनेक आधृतियां एवं प्राप्तरूप धूर्व होती हैं। तामाम वैदिक ग्रंथों का एक लक्ष्य भी होता है कि शारीरिक एवं मानसिक अविभक्ति कर्त्ता के संपर्क में योग का अध्यात्मिक उत्तम एवं शरीर को निरोग रखने का सबसे सरल एवं सराहा साधन है।

प्रस्त्रविचर्त जीवन जीने की इच्छा हर किसी की होती है। योग, ध्यान, प्राणायाम, आसन, व्यायाम से लेकर न जाने किन्तु अनुसंधानात्मक प्रयोगों से प्राचीन भारतीय पंथ भरे दें हैं। तामाम वैदिक ग्रंथों का एक लक्ष्य भी होता है कि शारीरिक एवं मानसिक अविभक्ति कर्त्ता के संपर्क में योग का अध्यात्मिक उत्तम एवं शरीर को निरोग रखने का सबसे सरल एवं सराहा साधन है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है। योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है। योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है। योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का अधिकारी व्यक्ति के उत्तरांश व्यक्ति के उत्तरांश है।

योग का

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों  
को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी



बढ़ता राजस्थान

देवली (नि.स.)। यहां अटल उद्यान (दशहरा मैदान) में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित हुई जिसमें तसरीय योग दिवस सम्पर्क को लेकर बुधवार को उपर्युक्त अधिकारी की मौजूदगी में नार पालिका परिसर में बैठक बुलाई गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के बैठक में बताया कि ब्लॉक स्तरीय योग कार्यक्रम शहर के अटल उद्यान (दशहरा मैदान) में आयोजित होगा। योग दिवस के इस अवसर पर सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर भी योगाध्यास किया जाएगा। डॉक्टर जार्जिङ बताया कि बैठक में आयोजन स्थल को साक सकारी, पेयजल, टैंट व्यवस्था, माइक, प्रचार प्रसारण स्थलों के बड़े होडिंग समेत इवान कार्यक्रमों की जिम्मेदारी अधिकारी नार पालिका को दी गई है। इसी तरह कार्यक्रम स्थल पर यातायत कानून व्यवस्था व पुलिसकर्मियों की सुनिश्चित थाना अधिकारी को दी गई है एवं आयोजन स्थल पर समृद्ध देखरेख जनप्रतिनिधियों का गणना नारगान को बैठक व्यवस्था तहसीलदारों को सौंपा गया है। इसी तरह योग दिवस पर यातायत, पेयजल, व्यवस्था, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, चिकित्सा विभाग की टीम की मौजूदगी समेत काम की जिम्मेदारी अनग-अनग अधिकारियों को दी गई। बैठक में शहर के प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई।

## क्वार्टर्ज पथरों से भरे एक ट्रेलर व एक ट्रैक्टर जब्त

बढ़ता राजस्थान

निवार्द्ध (का.स.)। बरोनी थाना पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से क्रार्टर्ज पथर से भरे हुए एक ट्रेलर व एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। थानाधिकारी अमितकरण जाट ने बताया कि पानी निवार्द्ध 52 पर पुलिस थाने के सम्मेन नाकाबदी के दोरान एक ट्रेलर को रुकव कर जांच की तो उसमें क्रार्टर्ज पथर भरा हुआ था। ट्रेलर में कीरी 41टन क्रार्टर्ज पथर भरा हुआ था। ट्रेलर को मय क्रार्टर्ज पथर के जब जब थाने में खड़ा करवा दिया गया है। इसी प्रकार पुलिस गत के दोरान गतवाड़ से एक ट्रैक्टर ट्रैली को जब्त किया है जिसमें कीरी 3 टन क्रार्टर्ज पथर भरा हुआ था। दोनों वाहनों के चालक व मालिक के बैरेस्ट घासला दर्ज कर लिया गया है।

## राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के घुनाव आज

बढ़ता राजस्थान

निवार्द्ध (का.स.)। श्याम वाटिका में गुरुवार को सुबह 10 बजे राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के वार्षिक चुनाव आयोजित होंगे। तहसील मंडी सोनालला वर्मा ने बताया कि चुनाव पर्यवेक्षक प्रदेश संगठन मंडी व चुनाव अधिकारी को लियायक धनसंसंह राजावत, प्रदेश संयुक्त मंडी रेस्वर्चंद शर्मा की देखरेख में चुनाव में भाग लेने पांच व्यक्तियों ने अधिक से अधिक शिक्षकों को संगठन के चुनाव में भाग लेने का आवाजान किया।

## सेना भर्ती रैली की अंतिम तिथि 10 जुलाई तक बढ़ाई

बढ़ता राजस्थान

टोक (का.स.)। सेना भर्ती के तहत उदयपुर में आयोजित होने वाली सेना भर्ती रैली की तिथि में संशोधन किया गया है। अतिरिक्त जिला मार्जिस्ट सुरेण चौधरी ने बताया कि नवीन तिथि 1 से 10 जुलाई निर्धारित की गई है। साथ ही, एआरओ जोधपुर के अंतर्गत सेना भर्ती रैली के आयोजन स्थल में संशोधन कर सेना भर्ती रैली जोधपुर में आयोजित की जाएगी।

## श्री केशव क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

बढ़ता राजस्थान

सिरस (नि.स.)। श्री केशव क्रिकेट क्लब सिरस के तत्वावधान में प्रथम नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता गुरुवार से शुरू होगी। शिवचरण योगी व शिवराज गुर्जर ने बताया की क्रिकेट प्रतियोगिता के द्वाट्यान समरोह में मूँछ अंतिम तिथि तक बैराज सिंह व अध्यक्षता नाकुर देवराज सिंह करेंगे। क्रिकेट प्रतियोगिता के भाग लेने वाली टीमों में जिजेट टीम को 51 हजार रुपए का नकद पुरस्कार व उपविजेता टीम को 21 हजार रुपए का नकद पुरस्कार क्लब की ओर से परिस्थितिक के रूप में दिया जाएगा।

## चार यात्रा कर सकुशल लौटे यात्रियों का परिषद ने किया स्वागत

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा शहर के अनेक मौहल्लों से भाग लिया गया वार्षिक चार धाम की यात्रा करने के बाद सकुशल वापिस आने पर भारत विकास परिषद के जल मन्दिर पर परिषद ने अपनानी के स्वागत किया।

भारत विकास परिषद के प्रबन्धक विजय ने बताया कि गत मालपुरा शहर से से श्रद्धालुओं का एक दल परिव चार धाम की यात्रा पर गया था। यह दल गुरुवार को सभी यात्रियों का स्वागत सम्पन्न एवं अभिनन्दन किया। इस दोरान परिषद अध्यक्ष रामजीलाल शर्मा, एडवोकेट राजकुमार जैन, सचिव तारकांत पाठक, वित्त सचिव जानन्द जैन, अरकवंद टेलर, त्रवक्ता दिनेश विजय, डॉ. राजकुमार गुप्ता, परिषद महाला प्रमुख रामवंद नेहा विजय, शशिकांत पाठक, अधिकारी विजय, कपिल दाधिक, जयनारायण जाट सहित परिषद के अन्य कई सदस्य व यात्रियों के दल के सभी सदस्य मौजूद रहे।

## बढ़ता टोंक

टोंक/निवार्द्ध/देवली/टोड़ा/  
मालपुरा/लालसोट/उनियारा

जयपुर | गुरुवार, 20 जून, 2024

www.badhatarajasthan.in

05

# पानी बिजली जैसे महत्वपूर्ण विभागों के बिंदु त्यवस्थाओं से आम जन आहत और परेशान

कृष्णवन्द विजय

मालपुरा (बढ़ता राजस्थान)। यहां अटल उद्यान (दशहरा मैदान) में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित हुई जिसमें तसरीय योग दिवस सम्पर्क को लेकर बुधवार को उपर्युक्त अधिकारी की मौजूदगी में नार पालिका परिसर में बैठक बुलाई गई।

कहा और जाना जाता है कि पानी व बिजली जैसे आम जन से जुड़े पानी बिजली बैठक में आम जन के बहुती मांग को देखते हुए इस जैसे पर आधुनिकीकरण करने की बात कही गई थी। इन पन्नह दिनों की अवधि में शहरी क्षेत्र के प्रत्येक आम उपभोक्ता को कम वालेज की शिकायत रही है। यह शिकायत भी इतनी अधिक रही है कि काफी कम वालेज आने के चलते घरों में लगे पंखे भी नहीं चल सके। पीणव गर्मी के दौर में पंखे तक भी नहीं चलना आम जन के लिए भी बारी मूसीबत व परेशानी का सबव रहा। खंडर आम जन ने 31 मई तक तक शांति रखी और कम वालेज की परेशानीयों को दबाव रखा। लेकिन 1 जून के बाद तक तक आम जन का जीना भी दबाव हो जाता है। अब यदि मालपुरा क्षेत्र के बिजली महकमे की बात की जाए तो क्षेत्र में जब से गर्मी की भियां बढ़ गई हैं तब तक यह आम जन को समस्या का बांध ढूने लगा। इन दिनों बिजली महकमे की व्यवस्थाएं वेकाबू ही हो जाती हैं। अब यदि मालपुरा क्षेत्र के बिजली महकमे के बात की जाए तो वे गर्मी की भियां और कम वालेज की व्यवस्थाएं वेकाबू ही हो जाती हैं। यह शिकायत भी इतनी अधिक रही है कि काफी कम वालेज आने के चलते घरों में पंखे तक भी नहीं चल सके। पीणव गर्मी के दौर में पंखे तक भी नहीं चलना आम जन के लिए भी बारी मूसीबत व परेशानी का सबव रहा। खंडर आम जन ने 31 मई तक तक शांति रखी और कम वालेज की परेशानीयों को दबाव रखा। लेकिन 1 जून के बाद तक तक आम जन का जीना भी दबाव हो जाता है। अब यदि मालपुरा क्षेत्र के बिजली महकमे की बात की जाए तो क्षेत्र में जब से गर्मी की भियां बढ़ गई हैं तब तक यह आम जन को समस्या का बांध ढूने लगा। इन दिनों बिजली महकमे की व्यवस्थाएं वेकाबू ही हो जाती हैं। अब यदि मालपुरा क्षेत्र के बिजली महकमे की बात की जाए तो वे गर्मी की भियां और कम वालेज की व्यवस्थाएं वेकाबू ही हो जाती हैं। यह शिकायत भी इतनी अधिक रही है कि काफी कम वालेज आने के चलते घरों में पंखे तक भी नहीं चल सके। पीणव गर्मी के दौर में पंखे तक भी नहीं चलना आम जन के लिए भी बारी मूसीबत व परेशानी का सबव रहा। खंडर आम जन ने 31 मई तक तक शांति रखी और कम वालेज की परेशानीयों को दबाव रखा। लेकिन 1 जून के बाद तक तक आम जन का जीना भी दबाव हो जाता है। अब यदि मालपुरा क्षेत्र के बिजली महकमे की बात की जाए तो क्षेत्र में जब से गर्मी की भियां बढ़ गई हैं तब तक यह आम जन को समस्या का बांध ढूने लगा। इन दिनों बिजली महकमे की व्यवस्थाएं वेकाबू ही हो जाती हैं। अब यदि मालपुरा क्षेत्र के बिजली महकमे की बात की जाए तो वे गर्मी की भियां और कम वालेज की व्यवस्थाएं वेकाबू ही हो जाती हैं। यह शिकायत भी इतनी अधिक रही है कि काफी कम वालेज आने के चलते घरों में पंखे तक भी नहीं चल सके। पीणव गर्मी के दौर में पंखे तक भी नहीं चलना आम जन के लिए भी बारी मूसीबत व परेशानी का सबव रहा। खंडर आम जन ने 31 मई तक तक शांति रखी और कम वालेज की परेशानीयों को दबाव रखा। लेकिन 1 जून के बाद तक तक आम जन का जीना भी दबाव हो जाता है। अब यदि मालपुरा क्षेत्र के बिजली महकमे की बात की जाए तो क्षेत्र में जब से गर्मी की भियां बढ़ गई हैं तब तक यह आम जन को समस्या का बांध ढूने लगा। इन दिनों बिजली महकमे की व्यवस्थाएं वेकाबू ही हो जाती हैं। अब यदि मालपुरा क्षेत्र के बिजली महकमे की बात की जाए तो वे गर्मी की भियां और कम वालेज की व्यवस्थाएं वेकाबू ही हो जाती हैं। यह शिकायत भी इतनी अधिक रही है कि काफी कम वालेज आने के चलते घरों में पंखे तक भी नहीं चल सके। पीणव गर्मी के दौर में पंखे तक भी नहीं चलना आम जन क





